CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

+91 7428706078
info@cedsi.in

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

आमूल ने दूध संग्रहण कीमतों में वृद्धि की, 7 लाख मवेशी पालकों की आय में वृद्धि

गर्मी और चारे की कीमतों में वृद्धि से प्रभावित मवेशी पालकों को समर्थन देने के लिए आमूल डेयरी ने दूध संग्रहण कीमतों में वृद्धि की है। नए दरें, जो 11 मई से लागू हैं, के तहत भैंस के दूध की कीमत ₹640 प्रति किलोग्राम वसा और गाय के दूध की ₹290 प्रति किलोग्राम वसा तय की गई है। इस निर्णय का लाभ आमूल डेयरी से जुड़े 1,200 दूध संघों के सात लाख मवेशी पालकों को मिलेगा।

आमूल डेयरी का दैनिक दूध संग्रहण सर्दियों में 30 लाख लीटर से घटकर गर्मियों में 25 लाख लीटर हो गया है, क्योंकि गर्मी के मौसम में दूध उत्पादन पर असर पड़ता है। संशोधित कीमतें भैंस के दूध पर ₹10 प्रति किलोग्राम वसा और गाय के दूध पर ₹4.5 प्रति किलोग्राम वसा की अतिरिक्त राशि प्रदान करती हैं, जो इस चुनौतीपूर्ण मौसम में मवेशी पालकों के वित्तीय बोझ को हल्का करती हैं।

यह मूल्य वृद्धि मवेशी पालकों की चिंता को दूर करने के लिए की गई है, जो दूध की कम उपज और चारे की बढ़ी हुई कीमतों से जूझ रहे हैं, और यह उन्हें उच्च तापमान और लागतों के आर्थिक प्रभावों का सामना करते हुए महत्वपूर्ण राहत प्रदान करेगी।

सुजुकी ने गुजरात में बायोगैस संयंत्र स्थापित करने के लिए NDDB के साथ साझेदारी की

सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन (SMC) ने गुजरात में अमूल डेयरी और दूधसागर डेयरी के साथ बायोगैस संयंत्र स्थापित करने के लिए समझौते किए हैं, जिसमें गाय के गोबर को ऑटोमोटिव ईंधन में बदलने की योजना है। यह पहल, जो सुजुकी के आर एंड डी सेंटर इंडिया और नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (NDDB) द्वारा संयुक्त रूप से चलाई जा रही है, भारत में सतत ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सुजुकी के प्रयासों का हिस्सा है।

यह समझौते NDDB के 60वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान 22 अक्टूबर को हस्ताक्षरित किए गए, जिसमें अमूल डेयरी के अध्यक्ष अमित व्यास, दूधसागर डेयरी के कार्यकारी निदेशक प्रवीण भांबी, और सुजुकी के केनिचिरो टोयोफुकु प्रमुख रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह और राजीव रंजन सिंह ने भी शिरकत की, और परियोजना के राष्ट्रीय महत्व को रेखांकित किया।

सुजुकी गुजरात में बायोगैस संचालन का विस्तार करने की योजना बना रहा है, और NDDB तथा बनास डेयरी के साथ मिलकर बनासकांठा में पांच संयंत्र स्थापित करने का लक्ष्य है। टोयोफुकु ने भारत में कार्बन तटस्थता को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्य के तहत बायोगैस उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए सुजुकी की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

राजस्थान ने कृषि और डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए 19,500 करोड़ रुपये के एमओयू पर किए हस्ताक्षर

डेयरी और संबंधित उद्योगों में निवेश से रोजगार सृजन, ग्रामीण आय में सुधार और किसानों के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित होने की उम्मीद है। राज्य का उद्देश्य बाज़ार तक पहुँच प्रदान करके और उपभोक्ताओं तक सीधी आपूर्ति शृंखला का समर्थन करके अपनी कृषि आधारित समुदायों के लिए आय के अवसरों को मजबूत करना है।

'राइजिंग राजस्थान' कृषि प्री-समिट में, राजस्थान ने कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में कुल 19,500 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। 862 से अधिक निवेशकों की भागीदारी के साथ, समझौते डेयरी, पशुपालन, जैविक खेती और बागवानी सहित क्षेत्रों में फैले हैं। डेयरी क्षेत्र पर विशेष ध्यान देने से दूध उत्पादन और प्रसंस्करण को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जो राजस्थान जैसे प्रमुख दूध उत्पादक राज्य के लिए महत्वपूर्ण है।

राज्य सरकार द्वारा जोधपुर और जयपुर जैसे शहरों में एग्रो-फूड पार्क और एग्रो-प्रोसेसिंग क्लस्टर्स की स्थापना कृषि ढांचे के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। ये विकास, MSMEs के लिए वित्तीय प्रोत्साहनों के साथ मिलकर, राजस्थान के कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में इसके डेयरी उद्योग की भूमिका को मजबूत करने के लिए तैयार हैं।

उत्तर प्रदेश ने दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए 'मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना' की शुरुआत की

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य भर में आधुनिक डेयरी इकाइयों के माध्यम से दूध की गुणवत्ता और मात्रा बढ़ाने के उद्देश्य से 'मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना' की शुरुआत की है, जिसके लिए 10.5 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। इस पहल के तहत प्रत्येक उन्नत डेयरी इकाई में दस उच्च उत्पादकता वाली गायों के साथ आधुनिक डेयरी इकाइयों की स्थापना की जाएगी, जिनमें मुख्य रूप से गिर, थारपारकर और साहीवाल जैसी देशी नस्लें शामिल होंगी, जो अपनी बेहतर दूध उत्पादन क्षमता के लिए जानी जाती हैं।

जुटाए गए इस फंड का उद्देश्य स्टेलैप्स के मूमार्क व्यवसाय को बढ़ावा देना है। यह पहल उच्च गुणवत्ता वाले, स्थायी और ट्रेस करने योग्य डेयरी उत्पादों के अनुबंध निर्माण और निजी-लेबल उत्पादों पर केंद्रित है। स्टेलैप्स के सीईओ रंजीत मुकुंदन ने इस समर्थन के प्रति आभार व्यक्त किया और बताया कि यह पूंजी मूमार्क को भारत भर में स्थायी रूप से मूल्य-वर्धित डेयरी उत्पादों का विस्तार करने में सक्षम बनाएगी। कंपनी आने वाले वर्षों में अपने निर्यात क्षेत्र को भी मजबूत करने की योजना बना रही है।

आईआईटी-मद्रास में स्थापित, स्टेलैप्स इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) तकनीक का उपयोग करके डेयरी क्षेत्र में नवाचार लाने का कार्य करता है। अपने लो-कैपेक्स, तकनीक-संचालित दृष्टिकोण के माध्यम से स्टेलैप्स ने डेयरी आपूर्ति श्रृंखलाओं में गुणवत्ता और स्थायित्व सुनिश्चित करते हुए खुद को एक अग्रणी कंपनी के रूप में स्थापित किया है। इस फंडिंग के साथ, कंपनी डेयरी उद्योग में उल्लेखनीय प्रगति करने और किसानों की आजीविका में सुधार और उपभोक्ताओं के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए तैयार है।

मध्य प्रदेश ने डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देने और दूध उत्पादन को दोगुना करने के लिए NDDB के साथ साझेदारी की

मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य के डेयरी क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (NDDB) के साथ पांच साल का समझौता किया है। इस समझौते का उद्देश्य दूध उत्पादन को दोगुना करना और किसानों व पशुपालकों की आय में सुधार करना है। इस समझौते के तहत, NDDB राज्य के सहकारी डेयरी महासंघ और दूध संघों का प्रबंधन करेगा, जो संचालन का विस्तार करने और डेयरी अवसंरचना को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

मध्य प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 5.51 करोड़ लीटर दूध का उत्पादन होता है, जिसमें एक बड़ी पशुधन आबादी और प्रति व्यक्ति औसत से अधिक दूध उपलब्धता है। हालांकि, केवल 2% दूध सहकारी समितियों के माध्यम से एकत्र किया जाता है, जो कि राष्ट्रीय औसत 10% से काफी कम है। NDDB दूध संग्रह बढ़ाने, अवसंरचना को आधुनिक बनाने और दूध उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार के लिए एक रूपरेखा तैयार करेगा।

इस समझौते में डेयरी संयंत्रों को डिजिटल बनाना, दूध प्रसंस्करण और परिवहन में सुधार करना और भारत के भीतर तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विपणन का विस्तार करना भी शामिल है। इस पहल से 40,000 गांवों को लाभ होगा, और किसानों की आय में जैविक उर्वरक उत्पादन जैसे अतिरिक्त साधनों से वृद्धि होगी।

सरकार को उम्मीद है कि NDDB के मार्गदर्शन से राज्य दूध उत्पादन में अग्रणी बनेगा, और जैसे-जैसे डेयरी संघों का संचालन स्थिर और विकसित होगा, प्रबंधन फिर से राज्य के नियंत्रण में आ जाएगा।

आंध्र प्रदेश के मंदिरों के लिए घी आपूर्ति की समीक्षा करने हेतु समिति का गठन

आंध्र प्रदेश के देवस्थान मंत्री अनम रमणारायण रेड्डी ने राज्यभर के मंदिरों में घी आपूर्ति प्रक्रिया की समीक्षा और सुधार के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति के गठन की घोषणा की है। यह समिति मंदिरों में प्रसादम की तैयारी और अनुष्ठानों के लिए आवश्यक गाय के घी की संग्रहण और आपूर्ति प्रक्रियाओं का आकलन करेगी।

देवस्थान आयुक्त के कार्यालय में हुई एक बैठक के दौरान, विभिन्न डेयरी संघों के प्रतिनिधियों ने मंदिरों के लिए प्रति वर्ष लगभग 1,500 टन गाय के घी की आवश्यकता पर चर्चा की। मंत्री ने "निरंतर और उच्च गुणवत्ता वाली घी आपूर्ति" की महत्ता पर जोर दिया, ताकि राज्यभर में भक्तों की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

समीक्षा में राज्य की वर्तमान डेयरी उत्पादन क्षमता और 2022 में शुरू की गई टेंडर-आधारित खरीद प्रणाली का प्रभाव भी शामिल होगा, जिसने पहले से उपयोग किए जा रहे प्रत्यक्ष संग्रहण दृष्टिकोण की जगह ली है। समिति को अपनी समीक्षा और सिफारिशें 15 दिनों के भीतर प्रस्तुत करने का कार्य सौंपा गया है, जिसका उद्देश्य मंदिरों की आवश्यकताओं के अनुसार आपूर्ति की विश्वसनीयता और गुणवत्ता को बढ़ाना है। यह कदम मंदिरों की पवित्रता बनाए रखने और घी आपूर्ति श्रृंखला में दक्षता सुनिश्चित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मजबूत मांग और बेहतर दूध आपूर्ति के बीच भारत का डेयरी क्षेत्र 13-14% राजस्व वृद्धि हासिल करेगा।

क्रिसिल रेटिंग्स के अनुसार, भारत का डेयरी उद्योग 2024-25 के वित्तीय वर्ष में राजस्व में 13-14% की वृद्धि हासिल करने का अनुमान है, जो मजबूत उपभोक्ता मांग और कच्चे दूध की अच्छी आपूर्ति से प्रेरित है। यह वृद्धि मूल्य-वर्धित डेयरी उत्पादों की बढ़ती खपत और अनुकूल मानसून के कारण दूध की बेहतर उपलब्धता से जुड़ी है।

क्रिसिल के 38 डेयरियों के विश्लेषण, जो संगठित क्षेत्र का 60% हिस्सा कवर करते हैं, से पता चलता है कि मूल्य में 2-4% की मामूली वृद्धि हो सकती है, जबकि राजस्व वृद्धि मुख्य रूप से 9-11% की मात्रा में वृद्धि से संचालित होगी। मूल्य-वर्धित उत्पाद, जो उद्योग के राजस्व में 40% का योगदान करते हैं, आय में वृद्धि और ब्रांडेड उत्पादों की ओर झुकाव के कारण प्रमुख कारक बनने की उम्मीद है।

कच्चे दूध की आपूर्ति में 5% की वृद्धि होने की उम्मीद है, जिसे बेहतर चारे की उपलब्धता, आनुवंशिक सुधार प्रयासों, और टीकाकरण व कृत्रिम गर्भाधान के सामान्यीकृत अभ्यासों से सहायता मिलेगी। उच्च कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और विस्तार के लिए पूंजीगत व्यय के कारण कर्ज स्तर में वृद्धि की संभावना के बावजूद, डेयरियों के क्रेडिट प्रोफाइल को स्थिर बनाए रखने और लाभप्रदता में 6% तक की मामूली वृद्धि होने की उम्मीद है।

होटल, रेस्तरां, और कैफे (HORECA) क्षेत्र से बढ़ती मांग, साथ ही स्थिर दूध आपूर्ति, उद्योग के इस वर्ष के लिए आशावादी दृष्टिकोण को स्पष्ट करती है।

हम कौन हैं?

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई) "सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर एग्रीकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएएसआई)" के तहत काम कर रहा है, यह एक स्वायत्त संगठन है जो "**एग्रीकल्चर स्किल कौंसिल ऑफ़ इंडिया (ASCI)**" के तत्वावधान में काम कर रहा है। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के संगठित और असंगठित क्षेत्रों में लगे किसानों, वेतनभोगी श्रमिकों, स्व-रोज़गार पेशेवरों, विस्तार श्रमिकों आदि के कौशल और क्षमता निर्माण के लिए **कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई**) के तहत काम करना।

सीईएएसआई कृषि के विभिन्न उप-क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्रों का एक शीर्ष संगठन है।

- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर हॉर्टिकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएचएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर फार्म मेकेनिज़शन स्किल्स इन इंडिया (सीईएफएमआई)

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

+91 7428706078

info@cedsi.in

www.cedsi.in Follow us on Facebook Cedsi Dairyskills Follow us on Twitter @CEDSI_India Follow us on Instagram @cedsi_india Follow us on linkedin Cedsi dairy COE

Centre of Excellence for Dairy Skills in India

Join Our Membership Drive and Get Benefits of

- Platform to interact with other members in the sector
- Networking opportunities with corporate leaders and government authorities
- Special costs of training in Skill India Certified Programmes
- Access to our Journal and Publications
- Expert advice in day-to-day operations and management of livestock /farm productions
- Free registration on the job portal and regular updates on job vacancies in the sector
- Recognize your organization with CEDSI Yearly Awards and Recognition
- Chance to reach across the board through advertising in our press releases, news and articles
- Consultative and advisory services to help members
- Consulting and advisory services to help members
- Periodic e-newsletter for the latest news, govt. announcement and schemes in dairy sectors
- Updates on training programs of CEDSI and access to the training calendar

Who Can Become a Member -

Corporates/ Cooperatives | NGO's/CSR Foundations | Dairy Farmers | Students | Professional

www.cedsi.in

17th July 2024

@cedsi_india

CEDSI : रविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया